नव भारत

प्रेरणा से आगे बढ़ रहा देश

प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम

पीएम ने पन्ना जिले के बीट गार्ड के नवाचार को सराहा

नई दिल्ली, 25 जनवरी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 130वें एडिशन में पर्यावरण संरक्षण के लिए देश में साधारण व्यक्तियों द्वारा की जा रही पहल का उल्लेख किया. उन्होंने प्रदेश के पन्ना जिले के बीट गार्ड (वनरक्षक) जगदीश प्रसाद अहिरवार के प्रयासों की सराहना की.

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में पन्ना जिले के जगदीश प्रसाद अहिरवार का प्रयास भी बहुत ही सराहनीय है. वे जंगल में बीट-गार्ड के रूप में अपनी सेवाएं देते हैं. एक बार गश्त के दौरान उन्होंने महसूस किया कि जंगल में मौजूद कई औषधीय पौधों की जानकारी कहीं भी व्यवस्थित रूप से दर्ज नहीं है. वे ये जानकारी अगली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने औषधीय पौधों की पहचान करना और उनका रिकॉर्ड बनाना शुरू किया.

उन्होंने 125 से ज्यादा औषधीय पौधों की पहचान की. हर पौधे की तस्वीर, नाम, उपयोग और मिलने के स्थान की जानकारी जुटाई. उनकी जुटाई गई जानकारी को वन विभाग ने संकलित किया और किताब के रूप में प्रकाशित भी किया. इस किताब में दी गई जानकारी अब शोधकर्ता, छात्रों और वन अधिकारियों के बहुत काम आ रही है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का उज्जैन के हामूखेड़ी शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ हायर सेकेंडरी विद्यालय में विद्यार्थियों और जन प्रतिनिधियों के साथ सुना. सीएम ने पन्ना जिले के बीट गार्ड जगदीश प्रसाद अहिरवार के नवाचार का 'मन की बात' कार्यक्रम में उल्लेख करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना है.

पीएम मोदी के संबोधन की खास बातें

- मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है. लोगों से नए वोटर्स के लिए मिठाई बांटने की अपील की.
- भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम बन चुका है. ये स्टार्टअप लीक से हटके हैं, जिनके बारे में 10 साल पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी.
- पीएम ने भारतीय प्रोडक्ट्स को लेकर कहा कि हम सभी का एक ही मंत्र हो क्वालिटी-क्वालिटी और क्वालिटी.
- इंडियन प्रोडक्ट का मतलब बन जाए क्वालिटी. हम संकल्प लें कि क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होगा.
- आज भारतीय संस्कृति और त्योहारों की पहचान पूरी दुनिया में बन रही है.
- जनभागीदारी और सामूहिकता देश की सबसे बड़ी ताकत है.
- गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है, अगर मैं आपसे कहूं कि यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते तो आपको हैरत होगी. इसकी वजह गांव का शानदार कम्युनिटी किचन है.
- अरुणाचल वो धरती है जहां देश में सबसे पहले सूर्य की किरणें पहुंचती है. यहां लोग 'जय हिन्द' कहकर एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दीं गणतंत्र दिवस की मंगलकामनाएं

भोपाल, 25 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी हैं. डॉ. यादव ने कहा कि यह दिवस हमें हमारे संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति निष्ठा का स्मरण कराता है. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है.

आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं!

मिट्टी धंसने से तीन की दर्दनाक मौत

- मृतकों में मासूम बच्ची और किशोरी भी है शामिल
- छुई निकालते वक्त पलभर में उजड़ा जीवन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 25 जनवरी. जियावान थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी कुंदवार अंतर्गत परसोहर गांव में एक बेहद दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया. गांव के समीप छुई (पोतने वाली मिट्टी) निकालने के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से पांच लोग दब गए, जिससे एक महिला, मासूम बच्ची और किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई.

यह घटना सुबह के समय 11.21 बजे की बताई जा रही है.

ग्रामीणों के अनुसार, महिलाएं एवं बालिकाएं खुरपी लेकर छुई निकालने गई थीं. इसी दौरान मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया और सभी लोग उसके नीचे दब गए. मौके पर मौजूद ग्रामीणों, सरपंच परसोहर एवं पुलिस की तत्परता से तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया. मिट्टी में दबे लोगों को बाहर निकाला गया, जिसमें दो महिलाएं बेहोशी की हालत में मिलीं, जबकि एक महिला, मासूम बच्ची और किशोरी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी. मृतकों में 10 वर्षीय प्रीति सिंह, 16 वर्षीय बसंती (दोनों निवासी ग्राम हरहवा) तथा 50 वर्षीय फूलमती यादव निवासी बंधा शामिल हैं.

एक नजर में

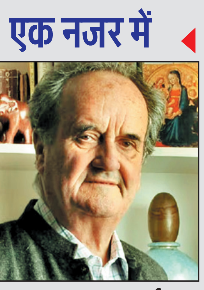

मशहूर पत्रकार मार्क टली का 90 वर्ष में निधन

नईदिल्ली. जाने माने लेखक और वरिष्ठ पत्रकार मार्क टली का रविवार को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. वह 90 वर्ष के थे. यह जानकारी उनके एक करीबी मित्र ने साझा की. अपनी पत्रकारिता के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले मार्क टली कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और पिछले एक सप्ताह से साउथ दिल्ली के साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती थे. 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) में जन्मे मार्क टली, 22 वर्षों तक बीबीसी के नई दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे. वह एक प्रतिष्ठित लेखक भी थे और बीबीसी रेडियो-4 के लोकप्रिय कार्यक्रम 'समथिंग अंडरस्टूड' के प्रेजेंटर रहे. उन्होंने भारत में लोगों के जीवन और समाज का बहुत करीब से अध्ययन किया था. मार्क टली ने भारत पर कई चर्चित पुस्तकें लिखीं, जिनमें 'नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया', 'इंडिया इन स्लो मोशन', 'द हार्ट ऑफ इंडिया', अमृतसर : मिसेज गांधी लास्ट बैटल (1985), इंडियाज अनएंडिंग जर्नी (2008) और द रोड अहेड (2011) प्रमुख हैं.

शुभकामनाएं

नवभारत के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंट बंधुओं और शुभेच्छुओं को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं.

संपादक

अवकाश

गणतंत्र दिवस पर नवभारत कार्यालय में 26 जनवरी को अवकाश रहेगा. अत: अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा.

महाप्रबंधक

45 हस्तियों को पद्म श्री पुरस्कार

नई दिल्ली, 25 जनवरी (वार्ता) साहित्य एवं शिक्षा, कला, चिकित्सा, खेल, समाज सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 45 हस्तियों को चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए चुना गया है.

पद्म पुरस्कार पाने वाले इन गुमनाम नायकों ने साधारण होते हुए भी असाधारण योगदान दिया है. इन सभी विभूतियों ने गंभीर व्यक्तिगत कठिनाइयों और त्रासदियों को पार करते हुए न केवल अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि समाज की व्यापक सेवा भी की है. इनमें पिछड़े और दलित समुदायों, आदिम जनजातियों तथा दूरस्थ और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों से आने वाले व्यक्ति शामिल हैं.

किन्हें मिला सम्मान: ये वे लोग है, जिन्होंने दिव्यांगजन, महिलाओं, बच्चों, दलितों और जनजातीय समुदायों की सेवा में स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, स्वच्छता और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य करते हुए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है. स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे हीमोफीलिया पर कार्य करने वाले चिकित्सकों से लेकर भारत का पहला मानव दुग्ध बैंक स्थापित करने वाले नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ तक सीमावर्ती राज्यों में भारत की स्वदेशी विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने से लेकर जनजातीय भाषाओं और पारंपरिक मार्शल आर्ट्स के संवर्धन तक, लुप्तप्राय कला और बुनाई परंपराओं के संरक्षण से लेकर देश की पारिस्थितिक संपदा की रक्षा और स्वच्छता के अभियान को आगे बढ़ाने तक इस वर्ष के पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ता वास्तव में उन सामान्य भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो चुपचाप अपने दैनिक जीवन में भारत माता की सेवा में लगे हुए हैं.

एमपी की तीन हस्तियों को पद्मश्री

साल 2026 के पुरुस्कारों में मप्र की तीन हस्तियों को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा. भोपाल के प्रख्यात लेखक कैलाश चंद्र पंत, सागर के मार्शल आर्ट कलाकार भगवानदास रैकवार और मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा. कैलाश चंद्र पंत को पद्मश्री की घोषणा के साथ ही उनके भोपाल स्थित घर में खुशी का माहौल है. कैलाश चंद्र पंत के घर बड़े दामाद देवेश जोशी, बेटी प्रीति जोशी, छोटे दामाद अनुराग जैन, बेटी निवेदिता जैन पहुंचे और मिठाइयां बांटीं. एमपी के भगवान दास रैकवार राई नृत्य कला और बुंदेली युद्ध कला के प्रमुख संरक्षक हैं. उन्होंने दशकों से युवाओं को पारंपरिक मार्शल आर्ट सिखाकर इस कला को विलुप्त होने से बचाया.

पीएम ने पद्म पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई

नई दिल्ली, 25 जनवरी . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार पाने वाली सभी विभूतियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में इन व्यक्तियों का समर्पण, सेवा और उत्कृष्टता देश और समाज को निरंतर समृद्ध कर रही है।

131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार का ऐलान

- दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण
- 13 हस्तियों को पद्म भूषण से किया जाएगा सम्मानित

नई दिल्ली, 25 जनवरी . केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया. दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया जाएगा. झारखंड के पूर्व सीएम दिवंगत नेता शिबु सोरेन और बॉलीवुड सिंगर अलका याग्निक समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा.

इसी के साथ क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, हॉकी प्लेयर सविता पूनिया समेत 113 हस्तियों को पद्मश्री के लिए चुना गया है. पद्म पुरस्कार विजेताओं में से 19 महिलाएं हैं. इनमें 6 विदेशी/ एनआरआई/ पीआईओ/ ओसीआई कैटेगरी के लोग भी हैं. 16 हस्तियां ऐसी हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं.

3 श्रेणियों में दिया जाता है पद्म पुरस्कार: देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण में प्रदान किए जाते हैं. ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, साइंस, इंजीनियरिंग, बिजनेस, इंडस्ट्री, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं.

सम्मान | विशिष्ट सेवा के लिए 101 को राष्ट्रपति पदक, 756 को सराहनीय सेवा पदक

982 कर्मियों को मिला वीरता और सेवा मेडल

नई दिल्ली, 25 जनवरी . गणतंत्र दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस (एचजीएंडसीडी) तथा करेक्शनल सर्विसेज (सुधारात्मक सेवा) में 982 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया गया है.

वीरता मेडल : गणतंत्र दिवस पर मिलने वाले इन मेडलों में 125 वीरता मेडल शामिल हैं. ये मेडल 35 कर्मियों को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों से, 45 कर्मियों को जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से, 05 कर्मियों को पूर्वोत्तर से और 40 कर्मियों को अन्य क्षेत्रों से उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए सम्मान में दिया जा रहा है.

सेवा पदक : गणतंत्र दिवस पर सेवा पदक कई प्रारूपों में दिया जाता है. विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है. यह विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम), विशेष रूप से विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए, सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) और कर्तव्य के प्रति निष्ठा की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिए प्रदान किया जाता है. इसमें 101 विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक हैं. वहीं सराहनीय सेवा के लिए 756 पदक दिए गए हैं.

जम्मू-कश्मीर को सबसे ज्यादा मेडल: वीरता पुरस्कारों की लिस्ट में 45 पदक जम्मू-कश्मीर के कर्मियों को दिए गए हैं. इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस डिपार्टमेंट में 33 वीरता मेडल दिए गए. इनमें महाराष्ट्र पुलिस को 31, उत्तर प्रदेश पुलिस को 18 और दिल्ली पुलिस को 14 वीरता पदक दिए गए हैं.

भारत है हमारे नाम में और हमारे दिल में

एक ऐसे गणतंत्र का उत्सव हम मना रहे हैं जो एकजुटता से हमें सुरक्षित, निश्चिंत और सशक्त रखता है।

एलआईसी मना रही है भारत का 77वां गणतंत्र दिवस 2026

प्रबंधन के तहत संपत्ति ₹57.22 लाख करोड़*
कर पश्चात लाभ ₹21,040 करोड़*
कुल प्रीमियम आय ₹2,45,680 करोड़*
अभिकर्ता संख्या 14.87 लाख
(* यथा 30 सितंबर 2025)

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
LIC/ R1/2025-26 /29 /Hin
हमें यहाँ फ़ॉलो करें: LIC India Forever I IRDAI Regn No.: 512
हर पल आपके साथ